

न्यायालय सहायक क्लर्क जायल जिला नागौर  
पिठासीन अधिकारी श्री सुरेश कुमार प्रथम (आर०ए०एस०)

राजस्व घाद संख्या- 83/2018

- 1- अंजू पत्नि स्व. ओमप्रकाश पुत्र स्व. छगनलाल।
- 2- सपना शिवर पुत्री स्व. ओमप्रकाश उमा 15 वर्ष नाबालिग संरक्षक यालिया माता अंजू पत्नि स्व. ओमप्रकाश जाति जाट निवासी जोधिणा तहसील जायल जिला नागौर।

\_\_\_\_\_वादीगण

बनाम

- 1- पार्वती देवी पत्नि स्व. छगनलाल
- 2- जंबरीमल पुत्र स्व. छगनलाल
- 3- गीता
- 4- संतोष पुत्रिया स्व. छगनलाल जाति जाट निवासी जोधिणा तहसील जायल जिला नागौर।
- 5- मैनेजर आई.सी.आई.सी.आई. बैंक शाखा रोत तहसील जायल
- 6- सरकार जरिये तहसीलदार जायल जिला नागौर।

\_\_\_\_\_प्रतिवादीगण

वाद अन्तर्गत धारा 53, 88 व 188 राजस्थान कारतकारी अधिनियम

उपस्थित अधिवक्तागण:-

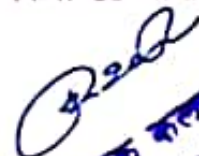
- 1- श्री वस्तीराम ढाका वादीगण की ओर से।
- 2- श्री हनुमानराम मण्डा प्रतिवादी सं. 01 से 02 की ओर से।
- 3- श्री ओमप्रकाश गोदारा प्रतिवादी सं. 03 से 04 की ओर से।

-: निर्णय :-

दिनांक : 09.08.2019

वादी वादीगण का संक्षेप में तथ्य इस प्रकार है कि वादीगण व प्रतिवादीगण एक ही परिवार के सदस्य हैं वादीगण व प्रतिवादीगण के बड़े की पुत्री मीजा जोधिणा के खेत खसरा नम्बर 33 रकबा 23 बीघा 09 बिस्वा, खेत खसरा नं. 38 रकबा 13 बीघा 18 बिस्वा, खेत खसरा नं. 60 रकबा 09 बीघा 11 बिस्वा, खेत खसरा नं. 76 रकबा 01 बीघा 05 बिस्वा, खेत खसरा नं. 156 रकबा 07 बीघा 19 बिस्वा, खेत खसरा नं. 292 रकबा 07 बिस्वा, खेत खसरा नं. 293 रकबा 03 बीघा 19 बिस्वा, खेत खसरा नं. 295 रकबा 06.02.08 बीघा, खेत खसरा नं. 792/295 रकबा 0.02.04 बीघा रहती चली आई है। वादीगण व प्रतिवादीगण आपसी सहमति व जुबानी बंटवाडा सम्वत 2070 की आखातीज को कर लिया है। बंटवाडा स्कीम निम्न प्रकार है:-

1. यह है कि वादी सं. 01 व 02 के शामिलती हक बंट कब्जाकाश्त व खातेदारी में बाकें मीजा जोधिणा के खेत खसरा नं. 38 रकबा 13 बीघा 18 बिस्वा पूरा, खेत खसरा नं. 60 रकबा 09 बीघा 11 बिस्वा, खेत खसरा नं. 293 रकबा 08 बीघा 19 बिस्वा, खेत खसरा नं. 76 रकबा 01 बीघा 05 बिस्वा, खेत खसरा नं. 792/295 रकबा 0.02.04 बीघा रखा गया।
2. प्रतिवादी सं. 01 पार्वती देवी के हक बंट कब्जाकाश्त व खातेदारी में बाकें मीजा जोधिणा के खेत खसरा नं. 156 रकबा 07 बीघा 19 बिस्वा पूरा रखा गया है।
3. प्रतिवादी सं. 02 के हकबंट कब्जाकाश्त व खातेदारी में बाकें मीजा जोधिणा के खेत खसरा नं. 33 रकबा 23 बीघा 09 बिस्वा पूरा, खेत खसरा नं. 295 रकबा 06 बीघा 02 बिस्वा पूरा रखा गया है।

  
सहायक क्लर्क  
ज.स.स. (आ.स.) नागौर (वादीगण)

अतः दावा पेश कर इस्तादुआ वादीगण है कि वाद के पैरा संख्या 02 के उप पैरा क, ख, ग व घ के अनुसार डिक्री सादिर फरामाई जावे।

वाद वादीगण का दर्ज रजिस्टर किया जाकर प्रतिवादी को नोटिस जारी किये गये। प्रतिवादी सं. 01 से 02 की ओर से वकील श्री हनुमानराम गण्डा ने ईकजाली जवाब व राजीनामा प्रस्तुत किया व प्रतिवादी सं. 03 से 04 की ओर से वकील श्री ओमप्रकाश गौदारा ने ककालतनामा पेश किया। वकील वादी व वकील प्रतिवादी सं. 01 से 02 की ओर से इनकी पहचान देकर इन की ओर से राजीनामा वकील श्री हनुमानराम गण्डा ने पेश किया।

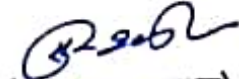
वादीगण व प्रतिवादीगण सं. 01 से 02 के बीच राजीनामा होने के कारण वाद में विवाधक बिन्दु तय नहीं किये गये। प्रकरण में विद्ववान अधिवक्ताओं वकील वादीगण व वकील प्रतिवादीगण सं. 01 से 04 की बहस सुनी गई। वकील वादी ने वाद पत्र में वर्णित तथ्यों को दोहराते हुए वाद पत्र में अंकित तथ्यों के अनुसार खातेदारी घोषित की जाकर राजस्व रिकॉर्ड में अमल दरामद हेतु तहसीलदार जायल को तहरीर जारी की जाकर वाद को निर्णित करते हुए वाद को डिक्री किये जाने का अनुरोध किया।

पत्रावली का अवलोकन किया गया। विद्ववान अधिवक्ताओं की बहस पर मनन किया गया। सभी पक्षकारों में राजीनामा होने के कारण राजीनामों के अनुसार वादीगण का वाद निम्न प्रकार से स्वीकार कर डिक्री किया जाता है :-

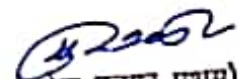
1. यह है कि वादी सं. 01 व 02 अंजू व सपना सिंघर के शामिलती हक बंट कब्जाकाश्त व खातेदारी में वाके मौजा जोधिणा के खेत खसरा नं. 38 रकबा 13 बीघा 18 बिस्वा पूरा, खेत खसरा नं. 60 रकबा 09 बीघा 11 बिस्वा, खेत खसरा नं. 293 रकबा 08 बीघा 19 बिस्वा, खेत खसरा नं. 76 रकबा 01 बीघा 05 बिस्वा, खेत खसरा नं. 792/295 रकबा 002.04 बीघा रखा गया।
2. प्रतिवादी सं. 01 पार्वती देवी के हक बंट कब्जाकाश्त व खातेदारी में वाके मौजा जोधिणा के खेत खसरा नं. 156 रकबा 07 बीघा 19 बिस्वा पूरा रखा गया है।
3. प्रतिवादी सं. 02 जंघरीमल के हकबंट कब्जाकाश्त व खातेदारी में वाके मौजा जोधिणा के खेत खसरा नं. 33 रकबा 23 बीघा 09 बिस्वा पूरा, खेत खसरा नं. 295 रकबा 06 बीघा 02 बिस्वा पूरा रखा गया है।

-: आदेश :-

अतः उपरोक्त तथ्यों एवं परिस्थितियों के आधार पर वाद वादीगण का स्वीकार किया जाकर डिक्री किया जाता है। इसी माफिक डिक्री पर्चा भरा जाकर तहसीलदार जायल को राजस्व रिकार्ड में अमल दरामद हेतु तहरीर जारी हो।

  
(सुरेश कुमार प्रथम)  
सहायक कलक्टर  
राजस्थान कैलक्टर जायल  
(पु. से. धा.) जायल (नाथोज)

निर्णय आज दिनांक 09.08.19 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय की मुद्रा से जारी कर खुले न्यायालय में सुनाया गया।

  
(सुरेश कुमार प्रथम)  
सहायक कलक्टर जायल  
सहायक कलक्टर  
(पु. से. धा.) जायल (नाथोज)